

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

प्रियंका नारे लगाते हुए एनडीए सांसदों के पास पहुंचीं

● संसद के बाहर एनडीए व इंडिया ब्लॉक आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

विपक्ष के सामने एनडीए के सांसद भी विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी एनडीए सांसदों के बिल्कुल करीब चली गईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच में आकर उन्हें रोका। संसद के भीतर भी हंगामा जारी रहा। इसके कारण लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई।



पेपर लीक मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई

● नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान, सरकार ऐक्टिव पीएम ने कहा-दोषियों को दिलाई जाएगी सख्त से सख्त सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन के बीच युवाओं और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा कि पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई होगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य/सरकार द्वारा फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र नीट पेपर लीक मामले को लेकर धरना प्रदर्शन दे रहे हैं और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। छात्रों के साथ विपक्षी दल भी इस प्रदर्शन में शामिल हैं। इस बीच को भी छोड़ा नहीं जाएगा और उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।



पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और पाक्सो मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28 फीसदी है, यानी जितने नए मामले आए हैं।

मेदांता में 600 जवानों की सिविलिटी में सोनम वांगचुक

बोले-सरकार का भरोसा मिले तो आज ही अनशन खत्म

गुरुग्राम (एजेंसी)। सोनम वांगचुक के अनशन का गुरुवार को 26वां दिन है। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उन्हें दो दिन हो चुके हैं। बुधवार को उनसे मिलने पहुंचे आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था। पुलिस और सांसदों के



बीच बहस हुई। नाराज सांसद गेट पर ही धरने पर बैठ गए। इसे लेकर करीब एक घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद सोनम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूँ। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मैं अनशन खत्म कर दूंगा।

सुप्रीम कोर्ट सख्त, अवैध रेत खनन पर राज्यों को फटकार

● कहा-चंबल में अवैध खनन कराने वालों को हिरासत में लें, उदाहरण पेश करें

भोपाल। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध रेत खनन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अवैध खनन को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेन्शन (एहतियाती हिरासत) जैसे कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त संदेश जाए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध खनन और इससे संकटग्रस्त जलीय वन्यजीवों पर पड़ रहे प्रभाव से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि मुरैना जिले में अवैध रेत खनन में सहयोग करने वाले 551 लोगों की पहचान की जा चुकी है। इस पर पीठ ने सवाल किया कि जब इनकी पहचान हो गई है तो इन्हें हिरासत में क्यों नहीं लिया गया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ एहतियाती हिरासत के आदेश जारी किए जाएं



और कुछ समय तक उन्हें हिरासत में रखा जाए, ताकि दूसरों के लिए भी यह कार्रवाई नजीर बने।

प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाने वालों पर नरमी नहीं- सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा

कि चंबल नदी और उसकी सहायक नदियों का प्राकृतिक प्रवाह तथा वन्यजीवन का संतुलन सुरक्षित रहना चाहिए। अदालत ने टिप्पणी की कि प्रकृति अपने आप संतुलन बना सकती है, बशर्ते मानव हस्तक्षेप कम हो। जो लोग प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं, उनके प्रति किसी प्रकार की सहानुभूति नहीं दिखाई जानी चाहिए।

सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों ने अदालत को अवैध खनन रोकने के लिए दर्ज एफआईआर, जब्ती और अन्य कार्रवाई का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। हालांकि कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए और सख्त कदम उठाने होंगे। मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को निर्धारित की गई है।

गाजीपुर में 51 लाइसेंस पर 145 हथियार!

सपा सांसद अफजल भी फंसे, मुख्तार के गिरोह की थी साजिश

गाजीपुर (एजेंसी)। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी हथियारों के लाइसेंसों में की गई गड़बड़ी के मामले में फंसे गए हैं। यहां पर 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियारों की खरीद-बिक्री की गई है। यह करतूत दो क्लकों की मदद से की गई है। इस मामले में बाहुबली नेता और माफिया रहे मुख्तार अंसारी के भाई सांसद अफजल अंसारी और कुख्यात आईएस-191 गिरोह के सदस्य कथित रूप से शामिल रहे हैं। पुलिस ने अफजल और दो लिपिकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, जिले के अभिलेखागार से शस्त्र लाइसेंस और उसकी खरीद-बिक्री से जुड़ी पत्रावली गायब कर दी गई है। इस मामले में सपा सांसद अफजल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक



अशफाक अहमद और गौरी शंकर राम के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। बताया जाता है कि यह गड़बड़ी सांसद अंसारी ने दोनों क्लकों की मिलीभगत से की थी। अब पुलिस मुख्तार अंसारी के आईएस-191 गिरोह के गुर्गों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

आईएस-191 गिरोह के सदस्यों के हैं हथियार लाइसेंस- एसपी डॉ ईरज राजा के अनुसार माफिया सरगना रहे मुख्तार अंसारी और उसके परिवार के लोगों ने आईएस-191 गिरोह के सदस्यों व सहयोगियों के नाम से जारी किए गए हथियारों के 51 लाइसेंसों की खरीद-बिक्री की थी। इसकी जांच दो महीने तक चली। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों के अलावा दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश के जिलाधिकारी कार्यालयों व लाइसेंस दुकानों पर जाकर जांच की। इसमें शस्त्र लाइसेंस से जुड़ी पत्रावलियों और उस पर खरीदे गए हथियारों का सत्यापन कराया गया। इस जांच से पता चला कि 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियार खरीदे और बेचे गए हैं।

हर छात्र आंदोलन लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: तस्लीमा

● नसरीन की चेतावनी, बोली-बांग्लादेश सा न हो जाए भारत का हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर बांग्लादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि जंतर-मंतर पर जुटे कॉकरोच आंदोलन के प्रदर्शनकारियों को देखकर उन्हें बांग्लादेश के जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन की याद आ गई। उन्होंने कहा कि उस आंदोलन की शुरुआत आरक्षण और मेरिट के मुद्दे से हुई थी, लेकिन बाद में वह सरकार बदलने की मांग तक पहुंच गया।



राजस्थान में बांध उड़ाने के लिए चुराई थी शिवपुरी के किले से तोप!

शिवपुरी (नप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित प्रसिद्ध और प्राचीन नरवर किले से चोरी हुई ऐतिहासिक तोप के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले की पड़ताल कर रही शिवपुरी पुलिस को पड़ोसी राज्य राजस्थान के करौली से बेहद अहम इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर चोरों की धरपकड़ के लिए राजस्थान सीमा में ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है।

बता दें कि 15 जुलाई 2026 को नरवर किले से यह बेशकीमती तोप चोरी हुई थी, जिसके बाद से ही स्थानीय इतिहास प्रेमियों में भारी आक्रोश था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा है।

तोप से मिट्टी का बांध उड़ाने की साजिश?— इस हाई-प्रोफाइल चोरी में सबसे हैरान करने वाला पहलू सामने आया है। सूत्रों और स्थानीय चर्चाओं के मुताबिक, इस प्राचीन तोप को किसी सामान्य चोरी के इरादे से नहीं, बल्कि एक बेहद खतरनाक और विशेष



मकसद से चुराया गया था।

दावा किया जा रहा है कि चोर इस तोप के जरिए एक बड़े मिट्टी के बांध को उड़ाने की साजिश रच रहे थे। हालांकि, प्रशासनिक या पुलिस अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर इस बांध उड़ाने की थ्योरी की पुष्टि नहीं

की है, लेकिन इस इनपुट के बाद एमपी और राजस्थान पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है।

राजस्थान के करौली में एमपी पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन— जांच में यह साफ हुआ है कि आरोपी तोप चुराने के तुरंत बाद उसे राजस्थान सीमा में ले गए।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी?

राजस्थान पुलिस के सहयोग से सटीक लोकेशन और संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी वारदात का खुलासा कर ऐतिहासिक तोप को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा।

धरोहरों की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

राजा नल और दमयंती की कथाओं से जुड़े नरवर किले का स्थापत्य और इतिहास बेहद समृद्ध रहा है। किले से भारी-भरकम तोप का चोरी हो जाना और सुरक्षा घेरे को तोड़कर उसे राजस्थान तक ले जाना सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है। फिलहाल पूरी नजर पुलिस के उस खुलासे पर टिकी है जो बांध उड़ाने की इस कथित साजिश का सच सामने लाएगा।

इसके बाद शिवपुरी पुलिस ने करौली पुलिस के साथ तालमेल बिठाकर संयुक्त रणनीति तैयार की और संदेहास्पद ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों के बेहद करीब पहुंचा जा चुका है।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में ज्ञापन देने पहुंचे थे पूर्व कांग्रेस नेता

उल्टा तिरंगा लहरा दिया, मचा बवाल



मंदसौर (नप्र)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिला कलेक्ट्रेट परिसर से एक हैरान कर देने वाली तस्वीर सामने आई है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे समर्थकों के हाथ में देश का राष्ट्रध्वज 'उल्टा' लगा हुआ दिखाई दिया। इस लापरवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। यह पूरा घटनाक्रम गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे का बताया जा रहा है। कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर कांग्रेस से पूर्व में जुड़े और निर्दलीय चुनाव लड़ चुके स्थानीय नेता श्यामलाल जोकचंद के नेतृत्व में समर्थक ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे।

हरा रंग ऊपर, केसरिया नीचे: नारेबाजी में भूल गए तिरंगा

कलेक्ट्रेट परिसर में दाखिल होते समय समर्थक केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान भीड़ के बीच चल रहे एक समर्थक के हाथ में जो तिरंगा लहरा रहा था, उसमें हरा रंग ऊपर और केसरिया रंग नीचे की तरफ था। ज्ञापन सौंपने और नारेबाजी करने के दौरान वहां मौजूद किसी भी प्रदर्शनकारी का ध्यान इस बात पर नहीं गया कि राष्ट्रध्वज उल्टा पकड़ा गया है। इसी बीच मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरी लापरवाही का अपने मोबाइल में वीडियो बना लिया।

वीडियो वायरल होने के बाद मची खलबली, प्रशासन अलर्ट

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, स्थानीय लोगों और प्रबुद्ध वर्ग के बीच राष्ट्रध्वज के अनादर को लेकर तीखी चर्चाएं शुरू हो गईं। वीडियो के वायरल होते ही आयोगकों को भी अपनी इस बड़ी चूक का अहसास हुआ।

गुना कलेक्टर पर हाईकोर्ट का हंटर

जमीन हड़पने के मामले में रिपोर्ट को बताया 'मिसलीडिंग', पेश होने के आदेश

गुना (नप्र)। मध्य प्रदेश के गुना जिले में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के भू-स्वामियों की जमीनों के अवैध कब्जे और शोषण के मामले में हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। राज्य सरकार की स्टेट्स रिपोर्ट को 'पूरी तरह से भ्रामक' और 'जवाबदेही से बचने वाली' करार देते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने गुना कलेक्टर को 28 जुलाई को पूरे ओरिजिनल रिकॉर्ड के साथ व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होने का हुक्म सुनाया है।

जस्टिस जी. एस. अहलवालिया और जस्टिस अनुशुभा शुक्ला की बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार की रिपोर्ट केवल 'कागजी खानापूती' लगती है। इसमें यह पता लगाने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की गई कि एससी/एसटी लाभाधिकारियों से उनकी जमीन गैर-कानूनी ढंग से छीनी गई है या नहीं।

पावर ऑफ अटॉर्नी और 'बटाईदारों' के



खेल पर उठे सवाल— अदालत ने पाया कि सरकार ने गुना जिले के 139 भू-स्वामियों की कृषि भूमि पर 'बटाईदारों' (बटाई पर खेती करने वाले) द्वारा खेती किए जाने का दावा तो किया, लेकिन यह जांच ही नहीं की कि वे वैध किसान हैं या दबंगों ने जबरन जमीनों पर कब्जा कर रखा है। इसके अलावा, गैर-एससी/एसटी व्यक्तियों के पक्ष में निष्पादित 'पावर ऑफ अटॉर्नी' के जरिये जमीनों के कब्जे और

ट्रांसफर पर भी कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने कलेक्टर से पूछा कि ऐसे समझौतों को कानूनी कैसे माना जा सकता है, जो आदिवासियों को उनकी ही जमीन से बेदखल करते हैं?

हाईकोर्ट के सख्त निर्देश और कलेक्टर से मांगे गए जवाब— बंधुआ मजदूरी पर एफिडेविट कलेक्टर व्यक्तिगत हलफनामा देकर बताएं कि क्या जिले में बंधुआ मजदूरी का कोई मामला पकड़ा गया है और क्या किसी गैर-एससी/एसटी व्यक्ति को आदिवासियों को बंधुआ बनाने के जुर्म में जेल भेजा गया है?

बमोरी और आरोन तहसील का रिकॉर्ड— बमोरी और आरोन तहसील में जनजातीय समाज के लोगों को बांटे गए पट्टों और लीज का पूरा ब्योरा पेश किया जाए। **मंडी का डेटा**: कृषि उपज मंडी से 2024, 2025 और 2026 में फसल बेचने वाले आदिवासी किसानों की सही संख्या का डेटा जुटाकर कोर्ट में प्रस्तुत किया जाए।

पीडब्ल्यूडी मंत्री की प्राथमिकता में नहीं है यह सड़क

भाजपा के सीनियर विधायक अजय विशनोई ने अपनी ही सरकार के मंत्री को घेरा

जबलपुर (नप्र)। बीजेपी के सीनियर नेता और विधायक अजय विशनोई ने अपनी ही सरकार के वरिष्ठ मंत्री को घेरा है। उन्होंने एक्स पर मंत्री के ऊपर निशाना साधा है। अजय विशनोई जबलपुर-पाटन रोड के निर्माण न होने पर नाराज हैं। साथ ही कहा है कि हमने इसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

रोड निर्माण न होने की वजह से नाराज— विधायक अजय विशनोई ने अपने एक्स पर लिखा कि भोपाल-जबलपुर के पाटन की ओर डायवर्ट किए गए ट्रैफिक ने आज फिर से एक बलि ले ली है। शहपुरा का पुल बन नहीं पा रहा है। सारा हैवी ट्रैफिक पाटन होकर जबलपुर आ रहा है। पाटन की सड़क हैवी ट्रैफिक के लिए नहीं बनी है। हैवी ट्रैफिक ने इस सड़क का सत्यानाश कर दिया है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री की प्राथमिकता नहीं है यह सड़क— बीजेपी विधायक विशनोई ने आगे लिखा कि जबलपुर-पाटन सड़क को चौड़ा और मजबूत करने की योजना को बजट में शामिल कर लिया गया है। लेकिन यह सड़क पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह की प्राथमिकता में नहीं है, इसलिए इसके निर्माण की स्वीकृति नहीं दी जा रही है।

सीएम को लिखा पत्र— उन्होंने कहा है कि मैंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर उन्हें एक पत्र दिया और अनुरोध किया है कि बजट में शामिल पाटन-जबलपुर और पाटन-मानकेड़ी सड़क का प्राथमिकता देकर निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कराई जाए।

डिंडोरी जिला अस्पताल में मरीज को सेलाइन की जगह मिनरल वाटर की ड्रिप लगाई

डिंडोरी (नप्र)। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली की तस्वीरें सामने आते रहती हैं। डिंडोरी जिले के एक सरकारी अस्पताल में जहर खाने वाले मरीज को ड्रिप की जगह मिनरल वाटर चढ़ाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिले के सीएमएचओ ने इसमें चूक मानी है।

जिला अस्पताल में है ऐसी व्यवस्था— पूरा मामला डिंडोरी जिला अस्पताल का है। सिविल लाइन निवासी सत्यम कुमार ने किसी वजह से चूहा मारने की दवा खा ली थी। परिजन उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले गए थे।

सेलाइन की जगह मिनरल वाटर चढ़ाया— युवक का वहां इलाज शुरू हो गया। लेकिन हद तब हो गई, जब सेलाइन की जगह युवक को मिनरल वाटर चढ़ाया जाने लगा। मिनरल वाटर युवक का पेट साफ



करने के लिए चढ़ाया जा रहा था। अस्पताल में मौजूद अन्य लोगों ने इसका वीडियो बना लिया और वायरल कर

दिया।

कार्रवाई के दिए निर्देश— मामला सामने आने के

बाद डिंडोरी सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडे ने मीडिया से बात की है। उन्होंने कहा कि मरीज का पेट साफ करने के लिए नॉर्मल पानी का इस्तेमाल किया गया था। नियमों के अनुसार यह नहीं किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी कार्रवाई करेंगे— कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने भी कहा कि जांच के बाद लापरवाहों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके बाद उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में इसे पहले भी ऐसी तस्वीरें सामने आते रही हैं। मरीज खुद ही अपने ड्रिप पकड़े दिख जाते हैं। कहीं मरीजों को एंबुलेंस नहीं मिलता तो कहीं स्ट्रेचर नहीं मिलता है। लेकिन सरकारी दावों में सब कुछ सही दिखता है।

रहवासी क्षेत्र में बने हॉस्टल पर निगम का बुलडोजर, अवैध निर्माण हटाया

आदित्य शर्मा

इंदौर। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश पर बुधवार को जोन क्रमांक-12 अंतर्गत खातीवाला टैंक क्षेत्र में आवासीय अनुमति के विपरीत बनाए गए हॉस्टल के अवैध हिस्सों पर रिमूवल कार्रवाई की गई।

भवन अधिकारी राहुल रघुवंशी ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह उद्यान के पास स्थित 218, खातीवाला टैंक पर आवासीय स्वीकृति के बावजूद व्यावसायिक उपयोग के लिए हॉस्टल का निर्माण किया गया था। शिकायत मिलने पर आयुक्त के



निर्देशानुसार जांच कराई गई, जिसमें पाया गया कि



परिसर में 12 से 13 कमरों का हॉस्टल बनाया गया

है। साथ ही भवन के फ्रंट, साइड, बैक सेटबैक (एमओएस) और फुटपाथ पर भी अवैध निर्माण किया गया था।

इसके बाद नगर निगम के रिमूवल विभाग ने जोन-12 में कार्रवाई करते हुए हॉस्टल के फ्रंट, साइड सेटबैक (एमओएस) तथा फुटपाथ पर किए गए अवैध निर्माण को हटाया।

कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी राहुल रघुवंशी, भवन निरीक्षक अनुभूति मंडावी तथा रिमूवल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और लोकमान्य तिलक जयंती पर भव्य आयोजन

इंदौर में पांच विभूतियां सम्मानित, गुंजे देशभक्ति गीत



इंदौर। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस अखिल भारतीय स्वतंत्र सेनानी उत्तराधिकारी संगठन और अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य तिलक की जयंती पर एक भव्य आजाद-तिलक अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों की पांच प्रतिष्ठित विभूतियों को सम्मानित किया गया और देशभक्ति गीतों से पूरा माहौल गुंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं मध्यस्थता केंद्र के चीफ जस्टिस शमीम कुरैशी (मोहम्मद शमीम) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने की, जबकि विशेष अतिथि के रूप में हेमराज वाडिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनिल आजाद, गणेश वर्मा, जगदीश सतेया, बंटी कुमरावत, उमाशंकर रायकवार, ओ.पी. वर्मा, सुधीर सेठिया, उमेश पारेख, कैलाश कुशवाहा और संजय जयंत आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन मदन परमालिया ने किया तथा आभार जगदीश जोशी ने माना। विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में लोग इस अवसर पर उपस्थित रहे।

अतिथियों के प्रेरणादायी विचार...

पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष सत्यनारायण पटेल:

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए स्वाधीनता सेनानियों ने अनगिनत कुर्बानियां दी हैं, लेकिन इसके बदले में उन्होंने कभी किसी पारितोषिक या अन्य लाभ की कामना नहीं की। अब समय

आ गया है कि हम स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान को सार्थक करते हुए उनके सपनों का भारत बनाएं।

मुख्य अतिथि जस्टिस शमीम कुरैशी :

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज समाज में संस्कारों की कमी हो रही है। समाज सेवा की डगर बहुत कठिन है और जो लोग इस कार्य को पूरी निष्ठा से कर रहे हैं, वे वंदनीय हैं। हम सभी को समाज से जो मिला है, उस ऋण को चुकाने के लिए कुछ सार्थक कार्य जरूर करने चाहिए, तभी हमारी आजादी सार्थक होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि हमें दिखावे की देशभक्ति नहीं करनी चाहिए।

5 प्रतिष्ठित विभूतियां 'आजाद-तिलक अलंकरण' से सम्मानित

समारोह के संयोजक विनोद सत्यनारायण पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज और राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली पांच महान हस्तियों को आजाद-तिलक अलंकरण से अलंकृत किया गया:-

- » 1. अशोक यादव (हॉकी कोच -)
- » 2. डॉ. ओमप्रकाश धीमान (शिक्षाविद)
- » 3. राजेंद्र सोनी (समाज सेवा)
- » 4. सीमा सेन (समाज सेवा)
- » 5. हुकम यादव (समाज सेवा)

देशभक्ति गीतों से सजी महफिल

कार्यक्रम के दौरान संगीत और कला के माध्यम से देशभक्ति का जज्बा देखने को मिला। आफताब आलम कुरैशी द्वारा देशभक्ति गीतों की मनमोहक और ऊर्जावान प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित सभी श्रोताओं में जोश और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रज्वलित कर दिया।

ट्रांसफर मामले में हाई कोर्ट का निर्देश, अभ्यावेदन पर सहानुभूतिपूर्वक करें विचार

राजेश धाकड़

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंड पीठ इंदौर ने स्थानांतरण (ट्रांसफर) से संबंधित दो रिट याचिकाओं की सुनवाई करते हुए राज्य शासन एवं संबंधित विभाग को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत स्थानांतरण संबंधी अभ्यावेदनों पर मानवीय एवं सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए नियमानुसार निर्णय लिया जाए।

मामला रिट याचिका क्रमांक 26930/2026 एवं रिट याचिका क्रमांक 26868/2026 से संबंधित है। दोनों याचिकाओं की सुनवाई के दौरान

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अर्पित परमार ने पक्ष रखा। उनके साथ अधिवक्ता आनंद दुबे एवं अधिवक्ता जितेंद्र गुप्ता भी उपस्थित रहे। सुनवाई के उपरांत माननीय उच्च न्यायालय ने याचिकाओं का निराकरण करते हुए संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि याचिकाकर्ताओं के अभ्यावेदनों पर प्रचलित नियमों के अनुरूप सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उचित निर्णय लिया जाए।

न्यायालय के आदेश के बाद अब संबंधित विभाग को याचिकाकर्ताओं के प्रकरण में विधि एवं नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई करनी होगी।

खंडवा से भाबरा तक निकली 'विचार परिवर्तन क्रांति पद यात्रा' का समापन, शहीदों को किया गया नमन

पुनीत सेन



खंडवा: युवाओं में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और राष्ट्रीय जागरण की अलख जगाने के उद्देश्य से खंडवा से निकाली गई 'विचार परिवर्तन क्रांति पद यात्रा' का समापन हो गया है। यात्रा संयोजक गणेश भावसार और यात्रा निरीक्षक दीपक उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पदयात्रा 16 जुलाई से शुरू होकर 23 जुलाई तक चली। क्रांतिकारियों और शहीदों के स्मरणोत्सव के तहत 23 जुलाई (शहीद दिवस) के अवसर पर यात्रा दल द्वारा तिरंगा लहराया गया और अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया गया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने जज अनु ग्रोवर बालिगा को पेपर लीक मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट का स्पेशल जज बनाया

समस्याओं के समाधान का सहज मार्ग है निर्विचार चेतना



आज का मनुष्य सुविधाओं से घिरा होने के बावजूद भीतर से अशांत दिखाई देता है। किसी को स्वास्थ्य की चिंता है, कोई मानसिक तनाव से जूझ रहा है, तो कोई आर्थिक या पारिवारिक समस्याओं से परेशान है। जीवन में चुनौतियाँ कभी समाप्त नहीं होतीं, परंतु उन्हें देखने और उनसे निपटने का हमारा दृष्टिकोण ही हमारे सुख-दुःख का वास्तविक आधार बनता है। तन, मन और धन को जीवन की तीन प्रमुख विभूतियाँ माना गया है। यदि शरीर स्वस्थ हो, मन प्रसन्न हो और जीवन में आवश्यक संसाधनों का अभाव न हो, तो व्यक्ति स्वयं को सुखी मानता है। लेकिन यह सुख स्थायी नहीं होता, क्योंकि परिस्थितियाँ निरंतर बदलती रहती हैं। वास्तव में अधिकांश समस्याएँ बाहरी परिस्थितियों से अधिक हमारी असंतुलित सोच, भय, अपेक्षाओं और प्रतिक्रियाओं का परिणाम होती हैं। ऐसे समय में सहज योग ध्यान हमें आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से अपने भीतर स्थित शांति और संतुलन से जोड़ता है। परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा स्थापित सहज योग एक सहज, सरल और अनुभव आधारित आध्यात्मिक साधना है, जिसमें कुंडलिनी शक्ति के जागरण द्वारा साधक अपने आत्मस्वरूप का अनुभव करता है। यही आत्मसाक्षात्कार जीवन में वास्तविक परिवर्तन का प्रारंभ बनता है। सहज योग की विशेषता यह है कि यह साधक को मध्य मार्ग में स्थापित करता है—एक ऐसी संतुलित अवस्था जहाँ न भूतकाल का बोझ मन को दबाता है और न भविष्य की चिंता उसे विचलित करती है। जब मन वर्तमान में स्थिर होता है, तब निर्णय अधिक स्पष्ट, विचार अधिक निर्मल और जीवन अधिक सहज हो जाता है। नियमित सहज योग ध्यान से हमारे भीतर की ऊर्जा प्रणाली संतुलित

होती है। विशेष रूप से हृदय चक्र के संतुलन से आत्मविश्वास, करुणा, विनम्रता और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। धीरे-धीरे क्रोध, भय, असुरक्षा और तनाव का स्थान शांति, धैर्य और सहजता ले लेते हैं। यह परिवर्तन केवल व्यवहार में ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व में दिखाई देने लगता है। जब मन निर्विचार और शांत होता है, तब समस्याओं को देखने का हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। जहाँ पहले केवल कठिनाई दिखाई देती थी, वहीं अब समाधान स्पष्ट होने लगता है। व्यक्ति परिस्थितियों से भागता नहीं, बल्कि संतुलित मन से उनका सामना करता है। यही सहज योग की वास्तविक शक्ति है—यह समस्याओं को मिटाने से पहले हमें उन्हें सही ढंग से समझने और उनका समाधान खोजने योग्य बनाता है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात हमारी प्रार्थनाएँ केवल शब्द नहीं रहतीं, बल्कि चैतन्य की शक्ति से जुड़कर हमारे भीतर विश्वास और संतोष का संचार करती हैं। तब जीवन चिंता का नहीं, बल्कि समाधानी दृष्टिकोण का पर्याय बन जाता है। परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने कहा है—निर्विचार अवस्था में जो भी घटित होता है, वह प्रबुद्ध और प्रकाशमान होता है। यही निर्विचार चेतना सहज योग का अमूल्य उपहार है। यह हमें स्वयं से जोड़ती है, जीवन में संतुलन स्थापित करती है और आनंद की उस अवस्था का अनुभव कराती है, जिसका वर्णन संतों ने सदियों से किया है। सहजयोग पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग के संबंध में अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in पर सम्पर्क करें।

परिषद संदेश परिषद की बैठक इंदौर चातुर्मास प्रवेश के अवसर पर आयोजित

सलीम हुसैन

अ.भा श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों तथा प्रांतीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक गच्छधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरिस्वरजी म, सा, की एवं मुनि भगवंत साध्वीजी भगवन्तों की पावन निश्रा में एवं शुभ आशीर्वाद से परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाशजी छाजेड़ की अध्यक्षता में दिनांक 19 जुलाई 2026, को श्री केशरी वाटिका, इंदौर पर संपन्न हुई। उक्त जानकारी देते हुए परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं नवकार संयोजक योगेन्द्र नाहर बताया कि बैठक में दादा गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेंद्र सूरिस्वरजी महाराजा के द्विशताब्दी जन्म महोत्सव वर्ष पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में विचार विमर्श किया गया।

गच्छधिपति श्री नित्यसेन सूरिजी के आज्ञानुवर्ती मुनि भगवंत साध्वीजी भगवन्तों के चातुर्मास में संयम वंदन यात्रा का आयोजन एकीकृत तौर पर राष्ट्रीय एवं प्रांतीय के साथ देशव्यापी यात्रा निकालने पर सहमति हुई। परिषद की शाखाओं से आग्रह किया गया कि आगामी अधिवेशन के पूर्व अपनी वार्षिक रिपोर्ट शीघ्र ही महामंत्री को उनके एड्रेस पर प्रेषित करें। बैठक में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं जनसंख्या गणना में जैन कालम पर टिक किए जाने पर विशेष



जोर दिया गया। बैठक में चातुर्मास प्रवेश के इस भव्य आयोजन के लिए इंदौर श्रीसंघ की भाव भरी अनुमोदना करते हुए आभार ज्ञापित किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश जी छाजेड़ के अलावा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जी धरु, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री रमेश धारीवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नवीनभाई बल्लू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतुल अदानी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश तलेसरा, राष्ट्रीय मंत्री शांतिलाल गोखरू, राष्ट्रीय मंत्री राजेश वागरेचा, राष्ट्रीय पर्यावरण मंत्री अनिल दसेड़ा, राष्ट्रीय वैयावच्छ मंत्री भरतभाई लाडू, राष्ट्रीय शिक्षामंत्री भरतभाई वोहरा, राष्ट्रीय सहमंत्री रूपेश पोरवाल, प्रांतीय महामंत्री संजय कोठारी, महिला परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमाबेन गांधीमुथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राखीजी रांका, राष्ट्रीय महामंत्री संगीताजी पोरवाल, महाराष्ट्र

अध्यक्ष सुरेखाजी अदानी, राष्ट्रीय प्रचारमंत्री विनीताजी बांठिया, राष्ट्रीय सहमंत्री विजयाजी मोदी, प्रांतीय अध्यक्ष सारिकाजी कोलन, पूर्व प्रांतीय महिला परिषद अध्यक्ष पुष्पाजी भंडारी तरुण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदित्य धोका, इंदौर शाखा के रमेश श्रीश्रीमाल, डीसा से नितिनभाई, विनोद कोरडियां आदि, गुजरात उपाध्यक्ष लवाना परिषद अध्यक्ष पैलेस मोरखिया, अमदाबाद से संजय अदानी, शैलेश संघवी, थराद शाखा से नरेश भंसाली, पारा से राजेंद्र पगारिया, राणापुर मुनिसुब्रत जिनालय शाखा से पवन नाहर प्रवीण नाहर, जितेंद्र सालेचा आदि, जावरा परिषद के नगीनजी सकलेचा, यशवंत जी आदि, नामली से श्रेणिकजी चत्तर, अलीराजपुर से अनिलजी जैन सपन जैन, अल्पेश जैन आलोत से राहुल रांका आदि उपस्थित थे।



चन्द्रशेखर आजाद की 125 वीं जन्म जयंति जिला कांग्रेस ने मनाई

सलीम हुसैन

झाबुआ 23 जुलाई शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 125 वीं जयंति जिला कांग्रेस कमेटी झाबुआ द्वारा मनाई गई इस अवसर पर श्री आजाद के चित्र पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पांजली अर्पित की गई।

उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस महामंत्री हेमेश बबलु कटारा ने शहीद आजाद की याद में देश भक्ति नारे लगवाये तथा उसके पश्चात प्रकाश रांका अध्यक्ष जिला कांग्रेस झाबुआ द्वारा श्री आजाद के चित्र पर माल्यापर्ण किया एवं श्री आजाद के जीवन पर प्रकाश डाला तथा कार्यकर्ताओं को बताया कि शहीद आजाद हमारे अविभाजित झाबुआ जिले के भाभरा में आज के दिन 1902 में जन्म हुआ था उस पर हमें गर्व है जिसका पूरा नाम चन्द्रशेखर तिवारी जिसे इतहास ने शहीद आजाद नाम दिया। आजाद ने मात्र 15 वर्ष में ही अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और अपना पूरा जीवन देश के नाम कर दिया। आजाद में स्वाभिमान, त्याग, और साहस था। उन्हें



सच्ची श्रद्धांजली तब होगी जब हम उनके आदर्शों पर चलेगें। इस अवसर पर जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष नटवर डोडियार ने भी पुष्पांजली अर्पित कर आजाद को याद किया तथा उन्होंने युवाओं से आवाहन किया कि हर युवा आजाद जैसा निडर एवं देशप्रेमी बने हर युवा आजाद जी के सपनों का भारत बनाएंगे जहां एकता, समानता और भाईचारा हो।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के अध्यक्ष नरवेश अमलियार ने भी पुष्पांजली अर्पित की एवं उन्होंने जो देशभक्ती की जो मिसाल पेश की ऐसी आज भी जरूरत है उनके त्याग साहस और स्वाभिमान को नई पीढ़ी तक

पहुंचाने की है। इस अवसर पर वसीम सैयद अध्यक्ष सोशल मिडिया जिला कांग्रेस, पार्षद मालू बने डोडियार, जितेंद्र शाह आयुष ओहारी, पुनित भानपुरिया, विजय शाह सायरा बेन, दिपक डोडियार राजेश मेडा किलु भूरिया, गुफरान कुरैशी, सेवादल के दिलीप भूरिया अनिल भाभोर, नल्दीबडी, प्रताप बुन्देला, विनोद गणावा, निलेश गणावा, अभ्केश पारगी, अल्पेश भूरिया, आनंद, दुर्गारसिंह दिव्यांग मोरी, रोहित हटिला पप्पू अनिल भाभोर, अरविन्द पचाहा, लक्की परमार, मनोज गुण्डिया, मारिया वडखिया, महेश अमलियार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व वसूली में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, लक्ष्य पूर्ति के लिए वर्तमान प्रयासों में लाए गति

निगमायुक्त ने राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश, बिल वितरण, सर्वे, नामांतरण एवं वसूली कार्यों की प्रतिदिन हो मॉनिटरिंग

नवल किशोर

कटनी। नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा बुधवार को आयोजित राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति, बिल वितरण, संपत्ति सर्वे तथा, ऑनलाइन नामांतरण आदि कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, सहायक राजस्व अधिकारी सागर नायक भी मौजूद रहे। वसूली कार्य की वाई वार समीक्षा के दौरान कम वसूली पर निगमायुक्त द्वारा गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित वसूलीकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्धारित राजस्व लक्ष्य की समयबद्ध पूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इस कार्य ने किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

अधिक से अधिक नागरिकों को मिले छूट का लाभ- निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि प्रत्येक वाई में बिल वितरण एवं सर्वे कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ संपादित किया जाए। सर्वे कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर संबंधित कार्यवाही के लिए तैयार रहे। निगमायुक्त ने बकाया करों की जानकारी के नागरिकों को मैसेज भेजे जाए तथा करदाताओं से संपर्क कर अग्रिम संपत्ति कर जमा करने पर प्रदाय की जा रही 5 प्रतिशत छूट प्रदान की जाकर अधिकाधिक राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाए।



होगी योजना मॉनिटरिंग

निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र की अद्यतन जानकारी के साथ नियमित रूप से प्रगति प्रस्तुत करें ताकि प्रतिदिन की उपलब्धियों की मॉनिटरिंग की जा सके। जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलेगी, वहां जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

नामांतरण प्रकरणों का शीघ्रता से हो ऑनलाइन निराकरण

ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने शेष प्रकरणों को शीघ्र ऑनलाइन करने तथा नामांतरण की कार्यवाही के दौरान सर्वे आदि की रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा में देने के निर्देश राजस्व अमले को दिए। निगमायुक्त ने ताकीद किया कि सभी नामांतरण प्रकरणों का ऑनलाइन निराकरण सुनिश्चित हो ताकि नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें।

प्रतिबद्धता एवं समन्वय से करें कार्य बैठक में निगमायुक्त ने

जलकर वसूली, बाजार बैठकी, दुकान किराया आदि की वसूली की विस्तृत समीक्षा कर यह भी निर्देश दिए गए कि राजस्व संग्रहण अभियान को और अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाते हुए निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण प्रतिबद्धता एवं समन्वय के साथ कार्य करें। इस दौरान राजस्व निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, सहित वसूली दल के कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

अनुपूरक बजट में विजयराघवगढ़ विधानसभा को 40 करोड़ के दो पुलों की मिली सौगात

विधायक संजय पाठक के प्रयासों के बाद कटनी नदी एवं महानदी पर बनेंगे उच्च स्तरीय पुल

नवल किशोर

कटनी। विधानसभा के मानसून सत्र में मध्य प्रदेश शासन द्वारा रखे गए अनुपूरक बजट में विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के प्रयासों से विजयराघवगढ़ विधानसभा को लगभग 40 करोड़ के दो उच्च स्तरीय पुलों सहित संपर्क मार्ग की सौगात प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भैंसवाही, घूंसुर को कांटी क्षेत्र से जोड़ने के लिए कटनी नदी पर ग्राम घूंसुर से ग्राम मोहास के बीच उच्च स्तरीय पुल के साथ ही 3 किलोमीटर की सड़क का निर्माण के साथ ही महानदी पर ग्राम बकेली से ग्राम गुडेहा,पिपरा को जोड़ने के लिए उच्च स्तरीय पुल के साथ ही 8.5 किलोमीटर की सड़क निर्माण की स्वीकृति अनुपूरक बजट में प्राप्त हुई है। इन पुलों के निर्माण के बाद किसानों एवं क्षेत्र वासियों को नदी के कारण अधिक दूरी तय करने में लगने वाला समय के साथ ईंधन की बचत होगी। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने मई माह में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से भेंट करते हुए पत्र के माध्यम



से विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कटनी एवं महानदी पर पुलों एवं पुलों को गांवों से जोड़ने के लिए सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव दिए थे उन सभी प्रस्ताव को डॉ.मोहन यादव ने सहर्ष स्वीकार करते हुए तत्काल स्वीकृति प्रदान की थी आज आज अनुपूरक बजट में लगभग 40 करोड़ की लागत वाले कार्यों को बजटीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए मिली इस उपलब्धी पर विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के विकास के विजन को पूरा करने का प्रयास निरन्तर जारी है, माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से मैंने क्षेत्र विकास के लिए जो भी मांगा है वह मिला है, कुछ ही वर्षों में विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख एकड़ भूमि को सिंचित करने वाली योजनाएं चालू होगी, इसके साथ ही गांव-गांव अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र में सुगम सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए पुलों एवं सड़कों को भी स्वीकृत कराया जा रहा है।

सारंगढ़ से दर्शन करने पहुंचे कोरबा हनुमान गढ़ी



कोरबा कटघोरा स्थित आध्यात्मिक साधना स्थलीय श्री हनुमान गढ़ी में दर्शन पूजन के लिए पहुंचे सारंगढ़ जिले के ग्राम भटगांव निवासी जसवाल परिवार के सदस्यों ने भगवान के दर्शन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं परिवार की मंगलमय जीवन की कामना की।

जनपद पंचायत सीईओ कटनी ने तखला पहुंचकर ओपन जिम का निरीक्षण कर लिया जायजा

श्री सिंह ने ग्रामवासियों से सेहत सुधारने ओपन जिम का उपयोग करने किया संवाद

नवल किशोर

कटनी। ओपन जिम में लगाए गए इक्विपमेंट युवाओं और बुजुर्गों के साथ-साथ सेहत के प्रति सचेत रहने वालों के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा चलाई गई एक अच्छी पहल है। ओपन जिम के नियमित उपयोग से स्वास्थ्य को बेहतर रखने में सहायता मिलेगी।

आप सभी प्रतिदिन सुबह-शाम आकर अपनी क्षमता और चिकित्सक के परामर्श के अनुसार इनका उपयोग करें ताकि शारीरिक मजबूती, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और बीमारियों से बचाव जैसे अनेक लाभ मिलते रहें

ये बातें गुरुवार को जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रदीप सिंह ने ग्राम पंचायत तखला पहुंचकर ओपन जिम का औचक निरीक्षण करते हुए ग्राम वासियों से संवाद करते हुए कहीं। उन्होंने इस दौरान ओपन जिम में स्थापित लेग और चेस्ट प्रेस, क्रॉस वॉकर, एयर वॉकर, सिटिंग और स्टैंडिंग ट्रिवेस्ट, पुल अप एवं चिन आप बार, हॉर्स राइडर आदि का स्वयं भी उपयोग कर उपकरणों की स्थिति को परखा।

जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिंह ने ग्राम वासियों से चर्चा करते हुए कहा

कि ओपन जिम में प्रतिदिन व्यायाम करने से हृदय को स्वस्थ रखने में सहायता मिलती है और तनाव कम होने से आत्मविश्वास बढ़ता है। व्यायाम वजन को नियंत्रित करने में भी मददगार साबित होता है। इस दौरान सीईओ श्री सिंह ने मध्याह्न भोजन किचन रूम का निरीक्षण कर साफ सफाई, गुणवत्ता,



शुद्ध पेयजल एवं निर्धारित मेन्यू के अनुसार खाना बनाने और परोसने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली।

पांचवें वित्त की राशि से स्वीकृत

ग्राम पंचायत के सचिव दयाशंकर गर्ग ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद पंचायत द्वारा पांचवें वित्त की राशि से पांच लाख रुपए राशि ओपन जिम के निर्माण हेतु स्वीकृत की गई थी।

ग्राम पंचायत द्वारा 5 लाख की लागत से ओपन जिम तैयार कराई गई है। जिसका ग्रामवासी उपयोग कर रहे हैं। इस दौरान सरपंच अनिल सिंह चौहान, सचिव दयाशंकर गर्ग, ग्राम रोजगार सहायक प्रदीप पांडे, महेंद्र लुनिया, निधि विश्वकर्मा, अनिरुद्ध प्रताप सिंह, दिनेश पाली, बालकिशन आदि मौजूद रहे।

स्वर्गीय आरक्षक के पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति, पुलिस अधीक्षक ने बाल आरक्षक पद का नियुक्ति पत्र किया प्रदान

नवल किशोर

कटनी। पुलिस विभाग अपने कर्मियों एवं उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का निर्वहन निरंतर करता रहा है।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिला दमोह में पदस्थ रहे स्वर्गीय आरक्षक क्रमांक 739 श्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर के



पुत्र पृथ्वीराज लोधी को बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करते हुए नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

स्वर्गीय आरक्षक श्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर का शासकीय सेवा के दौरान एक सड़क दुर्घटना में दुःखद निधन हो गया था। उनके निधन के उपरांत

उनके परिवार को शासन की अनुकंपा नियुक्ति नियमों के अंतर्गत राहत प्रदान करते हुए उनके 2 वर्ष 05 माह के पुत्र पृथ्वीराज लोधी को बाल आरक्षक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। नियुक्ति पत्र प्राप्त होने पर परिजनों ने मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिवपुरी के माधव चौक पर NEET पेपर लीक के विरोध में हुए प्रदर्शन पर गरमाई सियासत; 'जागरूक नागरिक गण' ने जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन, उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

अभि गोस्वामी

शिवपुरी। शिवपुरी के प्रमुख स्थल माधव चौक पर 22 जुलाई (बुधवार) को NEET परीक्षा के पेपर लीक के विरोध में हुए एक बिना अनुमति के धरना-प्रदर्शन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शहर के 'शिवपुरी जागरूक नागरिक गण' ने इस मामले में कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपकर प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

बिना अनुमति के प्रदर्शन

नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 22 जुलाई को माधव चौक पर NEET पेपर लीक के मुद्दे को लेकर बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के धरना दिया गया था।

मीडिया और प्रतीकों के साथ अभद्रता

आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों के नाम पर शामिल हुए कुछेक असामाजिक तत्वों ने मीडियाकर्मियों के



साथ अभद्रता की, जातिगत टिप्पणियां कीं और देवताओं के चित्र वाले पोस्टर लगाकर उनके माध्यम से भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ अमर्यादित भाषा

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि देश के उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के खिलाफ अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर शहर का माहौल खराब करने का प्रयास किया गया। कार्रवाई की मांग

'शिवपुरी जागरूक नागरिक गण' ने जिला प्रशासन से मांग की है कि छात्रों की आड़ में अपने निजी हित साधने और शहर की शांति एवं सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

बिना लाइसेंस बीज के विक्रय करने पर रीटी में विक्रेता के विरुद्ध दर्ज हुई एफआईआर

नवल किशोर

कटनी। किसानों को गुणवत्तायुक्त एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में अवैध बीज व्यापारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा रीटी क्षेत्र में छापेमारी कर बिना वैध लाइसेंस धान बीज का भंडारण और बिक्री करने वाले 'पाण्डेय कृषि केंद्र' के संचालक के विरुद्ध गुरुवार को रीटी पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

निरीक्षण में उजागर हुई अनियमितता- कृषि विभाग के बीज निरीक्षक मुकेश लोधी ने 8 जुलाई 2026 को ग्राम मुहास स्थित पाण्डेय कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि केंद्र बिना किसी वैध लाइसेंस के धान बीजों का भंडारण एवं विक्रय कर रहा था। कार्रवाई के दौरान विभाग ने कुल 7 क्विंटल धान बीज जब्त किए, जिनमें सुपर गंगा कावेरी (आईआर-64) 2.50 क्विंटल, अन्नदाता सीड्स (एमटीयू-1010) 4 क्विंटल तथा अन्नदाता सीड्स (आईआर-64) 50 किलोग्राम शामिल हैं।

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज- बिना लाइसेंस बीज विक्रय करना 'बीज नियंत्रण आदेश, 1983' की धारा 3 का उल्लंघन है। साथ ही यह 'आवश्यक



वस्तु अधिनियम, 1955' के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। बीज निरीक्षक की रिपोर्ट पर उपसंचालक कृषि की शिकायत के आधार पर संचालक प्रभात पाण्डेय के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 एवं 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

प्रशासन की सख्त चेतावन- जिला प्रशासन ने सभी बीज विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे बिना वैध लाइसेंस बीजों का भंडारण या विक्रय न करें। किसानों से भी अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही बीज खरीदें और खरीदते समय पक्की रसीद अवश्य लें।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कृषि आदानों-बीज, खाद एवं कीटनाशक-की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और जिलेभर में सघन निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा।

हर बच्चे का नामांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो सुनिश्चित- कलेक्टर

परिणाम से तय होगी अधिकारियों की जवाबदेही - कलेक्टर श्री तिवारी

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश, कमजोर प्रगति पर बीआरसीसी कटनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को परिणाम आधारित कार्य संस्कृति अपनाने तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं।

जुलाई के अंत तक शत-प्रतिशत नामांकन के निर्देश

कलेक्टर श्री तिवारी ने कक्षा 1, 6 एवं 9 सहित सभी कक्षाओं में जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र बच्चा स्कूल से बाहर नहीं रहना चाहिए। लक्ष्य अधूरा रहने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

कमजोर प्रगति पर सख्ती, बीआरसीसी कटनी को नोटिस

समीक्षा के दौरान विकासखंड कटनी की प्रगति अपेक्षित नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने गहन नाराजगी जाहिर की। बीआरसीसी द्वारा सही तरीके से विभागीय योजनाओं की जानकारी नहीं देने और गोल-मोल



जवाब देने पर बीआरसीसी कटनी श्री मनोज गौतम को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समीक्षा बैठकों में केवल आंकड़े प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, धरातल पर परिणाम भी दिखाई देने चाहिए।

डिजिटल शिक्षण और अपार आईडी पर विशेष जोर

बैठक में ई-अटेंडेंस, अपार आईडी, यू-डायस डाटा, डिजिटल अध्यापन, ई-मटेरियल के उपयोग तथा निपुण विद्यालयों की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन सभी कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जर्जर भवनों की तत्काल मरम्मत के निर्देश

कलेक्टर ने जर्जर विद्यालय भवनों की मरम्मत एवं आवश्यक कार्रवाई तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा श्रीमती मेधा मौर्य को डाइट भवन का निरीक्षण कर शीघ्र मरम्मत का प्राक्कलन तैयार करने के लिए निर्देशित किया।



भारत का पहला पदक पक्का

लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।

**कॉमनवेल्थ गेम्स
2026**

लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी।

यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोटियम फिनिश होगा। लवलीना गोलड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था। इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इसके अलावा, उन्होंने चीन के हांगझोउ में हुए 2023 एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता।

पॉजिटिव सेल्फ टॉक ने हालैंड को बनाया सुपर स्टार

अर्लिंग हालैंड ने बताया- थकान सिर्फ दिमाग में होती है; विज्ञान भी यही कहता है

न्यूयॉर्क। फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालैंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है। फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालैंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।

हालिया फुटबॉल वर्ल्ड कप में नॉर्वे के अर्लिंग हालैंड 7 गोल दागकर टूर्नामेंट के चौथे सबसे सफल खिलाड़ी रहे। 6 फुट 5 इंच लंबे इस खिलाड़ी की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस

शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है। पिछले साल की एक घटना है, जब मैनचेस्टर सिटी की ट्रेनिंग फैसिलिटी में हालैंड एक 'हाइपोक्सिक चैंबर' में एक्सरसाइज बाइक चला रहे थे। यह एक ऐसा कमरा होता है, जहां पहाड़ों जैसी ऊंचाई और तेज गर्मी का माहौल बनाकर हवा में ऑक्सीजन काफी कम कर दी जाती है। हालैंड को पूरी ताकत लगाकर अपना हार्ट रेट 150 बीट्स प्रति मिनट तक ले जाना था।

उन्होंने कैमरे की तरफ देखते हुए कहा था कि वह यह बिल्कुल नहीं करना चाहते, लेकिन फिर भी करेंगे क्योंकि यह उनके शरीर और दिमाग दोनों के लिए अच्छा है।



‘मैं चीफ कम्प्लेंट ऑफिसर बन गया हूँ’

बेहद सख्त हैं नीति आयोग के नए सीईओ अनुराग जैन, पीएम मोदी के साथ भी किया है काम

भोपाल(नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को केंद्र ने नीति आयोग का सीईओ बनाया है। 1989 बैच के अनुराग जैन की छवि ब्यूरोक्रेस में एक सख्त अधिकारी की है। मीटिंग में वह खरी-खरी बातें करते हैं। एमपी आने से पहले वह पीएम मोदी की टीम के हिस्सा भी रहे हैं। काम टाइमलाइन पर पूरा हो यह उनकी पहचान है। यही वजह है कि दिल्ली उन पर भरोसा करती है।

लगभग दो साल रहे एमपी के मुख्य सचिव- 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन तीन अक्टूबर 2024 को मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव बने थे। 2025 में वह रिटायर होने वाले थे। लेकिन केंद्र की मंजूरी के बाद उन्हें सीधे एक साल एक्सटेंशन मिल गया था। सितंबर 2026 तक उनका कार्यकाल बचा हुआ था। इससे पहले उन्हें नीति आयोग का सीईओ बना दिया गया। आदेश जारी होने पर वह सीएम मोहन यादव से मिलने पहुंचे।

एमपी में बेदाग रहा करियर- अनुराग जैन की छवि मध्य प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में अलग है। वह बेहद सादगी के साथ रहते हैं। वहीं, मीटिंग के दौरान हमेशा अधिकारियों के साथ उन्होंने खरी-खरी बातें की हैं। उनके कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश ने कई उपलब्धियां हासिल



की। साथ ही हर टास्क को बखूबी पूरा किया है।

पहली मीटिंग में ही इरादे स्पष्ट कर दिए- अक्टूबर 2024 में जब वह दिल्ली से मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव बनकर आए तो पहली मीटिंग में ही अधिकारियों के सामने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। उन्होंने अधिकारियों को नसीहत दी थी कि हम आईएएस हैं, हमें सब कुछ आता है। इस भावना से काम न करें। सभी के साथ समन्वय स्थापित करके चलें।

मैं चीफ कम्प्लेंट ऑफिसर बन गया

हूँ- मध्य प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी के अंदर खटपट की खबरें भी आती थीं। अप्रैल 2026 में अधिकारियों की मीटिंग में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा था कि इस समय मैं चीफ कम्प्लेंट ऑफिसर बन गया हूँ, हर तरह की विवाद और समस्याएं मेरे पास ही पहुंच रही हैं।

कौन हैं अनुराग जैन- दरअसल, 11 अगस्त 1965 को जन्मे अनुराग जैन ने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक किया है। वह कॉलेज के सेकंड टॉपर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने श्योपुर और सिंगरौली मेडिकल कॉलेज के संचालन की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने श्योपुर एवं सिंगरौली शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की शैक्षणिक एवं चिकित्सीय व्यवस्थाओं और व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों महाविद्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर संचालन को उच्च गुणवत्ता एवं दक्षता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की उपलब्धता, तृतीय श्रेणी (नॉन-गजेटेड) कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती, चिकित्सा उपकरणों एवं फर्नीचर की उपलब्धता, आवश्यक प्रोक्तोरमेंट कार्यों की प्रगति, विद्युत एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं और आउटसोर्स मानव संसाधन की व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि फैकल्टी सहित सभी आवश्यक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। चिकित्सा उपकरणों, फर्नीचर एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित की जाए और आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति, वेतन भुगतान एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि दोनों चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्योपुर एवं सिंगरौली जैसे आकांक्षी क्षेत्रों में स्थापित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थानीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने दोनों महाविद्यालयों के निर्माण एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और विद्यार्थियों एवं मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

तमिलनाडु को बड़ी सौगात: 1,012 करोड़ से अधिक की लागत वाले दो इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में 1,012 करोड़ रुपये से अधिक की संयुक्त लागत से दो इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) स्थापित करने को मंजूरी दे दी है।

इस परियोजना का उद्देश्य राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना और देश में इस क्षेत्र को

आत्मनिर्भरता की दिशा में और मजबूत करना है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि ये दोनों क्लस्टर मनल्लूर और पिल्लापाइक्कम में विकसित किए जाएंगे।

मनल्लूर क्लस्टर 474.3 एकड़ क्षेत्र में लगभग 587.47 करोड़ रुपये

की लागत से विकसित होगा, जबकि पिल्लापाइक्कम क्लस्टर 379.3 एकड़ में 424.55 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को आधुनिक आधारभूत संरचना मिलेगी, नए निवेश आकर्षित होंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

कांगो में इबोला का कहर, दो महीनों में एक हजार से अधिक मौतें; नए वैरिएंट ने बढ़ाई चिंता

किन्शासा। अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप गंभीर रूप ले चुका है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, पिछले लगभग दो महीनों में इस महामारी से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह हाल के वर्षों में इबोला का सबसे तेजी से फैलने वाला प्रकोप माना जा रहा है।

इस बार संक्रमण बुंडीबुग्यो

(Bundibugyo) वैरिएंट के कारण फैल रहा है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि वास्तविक संक्रमितों और मृतकों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक हो सकती है। क्योंकि संघर्ष प्रभावित इलाकों में कई मामले दर्ज ही नहीं हो पा रहे हैं।

इंदौर को मिली यातायात की नई सौगात: लव-कुश चौराहे पर डबल डेकर ब्रिज का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किया लोकार्पण



इंदौर। शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को लव-कुश चौराहे पर बने डबल डेकर ब्रिज का लोकार्पण किया। यह मध्य प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज है, जिसकी ऊपरी संरचना सड़क

यातायात के लिए है, जबकि नीचे के स्तर पर मेट्रो ट्रेक बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर विकास की नगरी है और यह डबल डेकर ब्रिज आधुनिक तकनीक तथा बेहतर शहरी नियोजन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने इंदौरवासियों और प्रदेश की जनता को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे विकास

और राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। यह ब्रिज शहर में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने के साथ-साथ सुपर कॉरिडोर, सांवेर और उज्जैन की ओर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भी बड़ी सुविधा साबित होगा। आगामी सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए भी यह परियोजना

अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

शहर में लगातार विकसित हो रहे फ्लाईओवर, ब्रिज और मेट्रो परियोजनाएं इंदौर को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित महानगर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।